

DPN 5706

Title : नवग्रह दान विधि NAVA GRAHA DANA VIDHI

Run. No. 6397

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / Newa direction नेपालमा लेखि

Size in cms. 21.5 x 8.5

Folios 5

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

पशुराम

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 808

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya sapu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति नवग्रह दान विधि : समाप्त : ॥ सं. ८०८ आषाढ शुक्ल १५ पशुरामेन लेखित

ति४

का गायित्रीया मनुयदिन कनिकु दत्त मङ्गलारु वा जीवदत्त अथवा दद
दिना ता गृहाण सै मङ्गलारु वा जीवदत्त मङ्गलारु वा जीवदत्त अथवा दद
युद्ध दद मविद ॥ सुवी वा ॥ युद्ध दिना मरि कुलानि का वया मया मदन
सुद्ध धन कन य उ र वा सो वद साम म ० व ग य रं कु रं व नू मा य
मि उ द्गा न व ग य न साम म य सिद्ध क य रं ० व ग म न य स नै य द ॥ गो व वा
जी नि मु म सी व ती ॥ सर्व तान ॥ ग रु ॥ व र द मा व द वि श्व ता न ॥ ग रु
॥ व य ॥ व मा व द र द व द दि ता र द मू र व ता व द र द ॥ यं क यि

॥१॥

॥१॥

गलः ॥ रुदं वदयुं रुदुसद गुरु सुव रुदमसा कस्य दलदना मुरयव
 दलदमधरुना वंरु मुरा नरु दलद रुद न जू वद रुद न ॥ सर्व ताव
 दमुरयत नय वरु न ॥ निर्वंद दल न रुद ॥ मुरय गत नय ॥ रुद म
 रुत मा गुरु यो व नानि मरु य सि जि गुरु खानि व दू दुरि ॥ ग क रु क य द दि
 लं ग न य गा वि ना व द आ व दं रु ग रु ॥ ल रुद मा व द गू रू मा सी न ॥
 सुम नि ॥ कि दि न ॥ य दूं य दूं य द सि क के सि त्रि य थ व रु द द म
 वि द ॥ ध सू ची ना ॥ ॥ ॐ आरु ॥ नि ग मा व रु क न री मा य

नाद्य न ॥ का र न थ मूर्य ली ना म न रु न्द ना नि मि य न क वी न ॥ ना ग ॥ म ना
 मुर य ना क मि रु ॥ १ ॥ ग के द न ना नि मि य ल जि यु ना यू का न ॥ द
 थ व न न धु यु ना ॥ न दि रु न उ य न ग रु रु धं य ॥ धा न न य व रु
 रु न व रु ॥ २ ॥ म ॥ य रु रु स नि र्ग गि रि र्व नी स ॥ मृ रु स ॥ ध ॥ ॐ
 ग ल न स ॥ मृ रु जि ल्मा म या वा द ग रु य ध च य नि रि ना रि न रु ॥ ३ ॥
 व रु रु य न य नि दी या व ॥ ध न व रु रु मि ग रुं जू य वा ध मा न ॥ य रु
 ज ल ना ॥ य मृ ॥ ल यू धा ज य न सा क न ध यि ना व थ ना म् ॥ ४ ॥ द ल वि

हात्यन्नयीगाल्पार्थज्यायूः कामनार्थः पुनर्गृहिनपुनर्गृहसहितमावना
 रुडीदियागुदार्तुत्यमहं संपुदय ॥ सुस्मि ॥ कादात ॥ पुनर्गृहिन ॥ दादेना ॥
 ॥ आलीवाद ॥ लुभादेवीवरिद्वय ॥ ॥ लनेधेन ॥ गृहयतिहाकृदा
 हानचिह्न ॥ वाक् ॥ उगवाम ॥ अयुतिह्य ॥ तिगुवना ॥ निचगुर्द ॥ यस्मागसी
 निवभस्यादिरुलाकयनगय ॥ यस्मास्त्वृथिवीसुधरिधनूकणवसं निगा
 सर्वयाप्रहनासाव ॥ गवल्पाकिंपय ॥ रुम ॥ पुनर्गृहिनपुनर्गृहिनपुनर्गृहिन
 रुदानुदागेष्टददह ॥ पूना ॥ दाह ॥ लख ॥ गृहयतिजोस्य ॥ अयादि ॥ यजमान
 स्यलनेपुनर्गृहात्यन्नयीगाल्पार्थज्यायूः कामनार्थः यज्ञवदायध्याजि

नंवाक्कण यननननजगद्यटिगकृष्णमनूदाददानं गुत्यमहंसं पदद ॥ स्वसि ॥
कादाग ॥ दक्षिण ॥ ज्ञेनीर्वाद ॥ ॥ नाद्र ॥ म्वाग ॥ खड्गनया ॥ ना ॥ हाक्का
यु ॥ वाक्क ॥ यस्माद्गुनीनिकर्म्मालिगवाधीनानिसर्वग ॥ खड्गस्त्रीलाङ्गलीदी
निगस्माक्कनिंयुयक्कम ॥ उगनकालमायक्कयुगताकामसिसेहिगखड्गदा
नंदागर्थददस्व ॥ ॥ कूण ॥ हाम ॥ लंख ॥ वीहियागुआस्यंन ॥ ॥ अयादि ॥ यज
मानस्यनाद्रगुहात्यनयीगान्मकृधआयूक्कमर्थयशर्वदायधायिनवा
क्कणय ॥ उगनकालमायक्कयुगताकामसिसेहिगखड्गदानं गुत्यमहंसं प
दस्वसि ॥ कादाग ॥ दक्षिण ॥ उगदान ॥ ॥ ज्ञेनीर्वाद ॥ कयानत्रिगयाकुव

दूनीसदावृध ॥ सखाकयासन्निगुआवृध ॥ ॥ नाद्र ॥ गुरुवगिस ॥ खड्गवि
क्र ॥ कायूममाल ॥ वाक्कउथु ॥ यस्माद्गुनीनि ॥ उगननजगद्यटिगखड्गदानं
गुत्यमहंसं पदद ॥ ॥ कं ॥ गु ॥ कालाग ॥ गुरुयति ॥ बालस ॥ वाक्क ॥ आक ॥ लं
ख ॥ आस्यंन ॥ कूणस्त्रीसर्वयक्काना ॥ मङ्गल्वन ॥ यवस्त्रित ॥ यानं विगवसानिर्य
गवन्मनिंयुयक्कम ॥ उगननजगद्यटिगकूणदानंदागर्थददस्व ॥ ॥ कूण ॥ नि
ल ॥ जल ॥ गुरुयतिआस्यंन ॥ ॥ अयादि ॥ यजमानस्यकंगुगुहात्यनयीगान्मकृ
र्थआयूक्कमर्थयशर्वदायवाक्कणय ॥ उगननजगद्यटिगकूणदानं गुत्य
महंसं पददस्वसि ॥ कादाग ॥ दक्षिण ॥ उगदानेद्वतयुति ॥ ॥ जन्म ॥ ज
कूण ॥ वीहियागुदानं गुत्यमहंसं पदद ॥

दृगं॥गुयति॥खानाचिद्रा॥वाय॥आक॥कुलल॥ख॥आस्य॥यस्मादन्तून्य
 यनकलवस्यनिवस्यच॥गयासमायानून्यस्य॥दृगजन्मनिजन्मनि॥ग
 नजन्मद्यदित्गलयादानदागद्यददस्व॥॥कुल॥हामूल॥ख॥गुहयनि
 ओस्यन॥अद्यादि॥यजमानस्यजन्मजनिनयी॥गल्लन्यर्थ॥आय॥४कामना
 र्थ॥यशुर्वदायनि॥गगनजन्मद्यदित्गलयादानं॥गुल्यमहं॥संयुदद॥कादा
 त॥दादेल्ल॥गदोन॥आली॥द्यादि॥उं॥गाम॥स्य॥सु॥जना॥हस॥४साम॥९ग्रीन॥च
 यु॥कुय॥विलसि॥धाना॥चन॥दि॥व॥॥अर्थ॥या॥गि॥दक॥ना॥लि॥ख॥क॥॥
 अ॥क॥दी॥हिया॥य॥दानं॥गुल्यमहं॥संयुदद॥॥२

ॐ द व स्यात्वा ॥ चंदन ॥ ॐ य द श क ॥ सिंदूर ॥ ॐ तं ज वि हृ द ॥ आ नी र्छ द ॥
 कु वा सि कु वा य ॥ ॐ य न स्ना दि ह्य ॥ ॥ सि धु र्म ॥ ॐ ग्री षु न ॥ ॥
 दा स्य य क क र न ॥ ॐ य थ वा ल पु हा ना र्ण क व र्च र व गि वा न र्ण ॥ ग न
 दे व वि द्या गा ना ण्ण ति र्ह व गि वा न र्ण ॥ ॥ ग नि न व य रु दान वि धि
 धि ४ समा य ४ ॥ ॥ सं ६० ८ आ वा टे पु क्क ॥ प्री य र्नु ना म ल
 लि खि र्ण ॥ ॥